आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 273 | उज्जैन, शनिवार 23 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मध्यप्रदेश को बना रहे हैं देश का नया फूड बॉस्केट-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बीते 20 सालों में मध्यप्रदेश का परिदृश्य बड़ी तेजी से बदला है। हम मध्यप्रदेश को देश का मॉडल स्टेट बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार मध्यप्रदेश को देश का न्यू फूड बॉस्केट बनाने के लिए तेजी से प्रयत्नशील हैं। हमारे अन्नदाता किसानों की मेहनत से प्रदेश के अनाज भंडार अन्न से भरे पड़े हैं। मध्यप्रदेश वह प्रदेश है, जहां तेजी से जिलों में मैडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। हमारी सरकार पीपीपी मॉडल पर मैडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकों को मात्र एक रूपए में 25 एकड़ जमीन और 10 साल के लिए अपना जिला-संभागीय अस्पताल भी देने को तैयार है।

निवेशक मेडिकल कॉलेज के लिए जब अपना खुद का अस्पताल तैयार कर लेंगे, तब 10 साल बाद हम अपना जिला चिकित्सालय उनसे वापस ले लेंगे। यह निवेशकों को सरकार की ओर से दोहरी मदद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ मध्यप्रदेश से हुआ। करीब एक लाख करोड़ रूपए की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के सारे जिले और लगभग 70 हजार करोड़ रूपए लागत की पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से मालवा और चंबल के सभी जिलों में सिंचाई और पेयजल की स्थाई सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। सिंहस्थ-2028 की तैयारी पूरे जोर-शोर से जारी है। श्रीमहाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन की तस्वीर ही बदल गई है। उज्जैन शहर की आबादी फिलहाल 7 लाख है, पर अब देश-विदेश से हर साल 7 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालु श्रीमहाकाल बाबा और श्रीमहाकाल लोक के दर्शन के लिए उज्जैन आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन शहर में ही 200 से अधिक होटल खुल गये हैं।

हावड़ा से सियालदह स्टेशन केवल 9 मिनट में... कोलकाता को मिलेगी बड़ी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 में भारत में मेट्रो सेवा की नींव रखने वाला कोलकाता शहर आज मेट्रो नेटवर्क में एक नया इतिहास रचने जा रहा है। अगले माह दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता वासियों को तीन नए मेट्रो खंड मिलने जा रहा है।

बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कोलकाता में एक साथ तीन नए मेट्रो खंडों पर यहां एक दिन में रिकार्ड करीब 14 किलोमीटर लंबे नवनिर्मित मेट्रो नेटवर्क का उद्घाटन करेंगे। कोलकाता दौरे में पीएम तीन मेट्रो रूटों सहित 5200 करोड़ रुपये से अधिक की कई बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री इसमें ग्रीन लाइन के एस्प्लेनेड (धर्मतल्ला) से सियालदाह खंड, येलो लाइन के नोआपाड़ा से जय हिंद विमानबंदर (कोलकाता हवाई अड्डा) खंड और आरेंज लाइन के हेमंत मुखोपाध्याय (रूबी चौराहा) से बेलेघाटा खंड पर मेट्रो सेवाओं की शुरुआत करेंगे।

प्रतिदिन 9.15 लाख से अधिक यात्री लाभांवित होंगे- कोलकाता मेट्रो प्रशासन का दावा है कि इन महत्वपूर्ण मेट्रो परियोजनाओं के चालू होने से महानगर व आसपास के उपनगरीय क्षेत्र के प्रतिदिन 9.15 लाख से अधिक यात्री लाभांवित होंगे।

काकीनाड़ा में ओएनजीसी की पाइपलाइन में गैस रिसाव से हड़कंप, गांव के लोगों में फैली दहशत

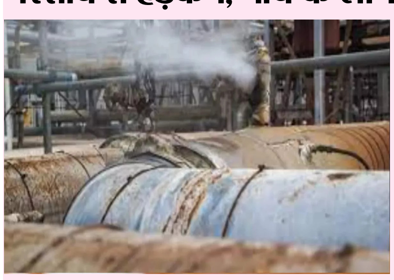

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां पर शुक्रवार तड़के तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की एक पाइपलाइन से गैस रिसाव होने की खबर सामने आई। जिससे गांव के लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, बाद में इसपर काबू पा लिया गया।

जानकारी के अनुसार, ये घटना रात करीब 1.30 बजे की है। इसके कारण आग भी लग गई। बताया जा रहा है कि काकीनाडा जिले के तल्लारेवु मंडल में दरियालटिप्पा के पास समुद्र में गैस पाइपलाइन से भीषण आग की लपटें उठ रही थीं। जिसके कारण लोगों में दहशत फैल गई।

आग पर पाया गया काबू- बता दें कि रिसाव आग लगने के बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को इस बात की सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी पहुंचे।

अधिकारियों ने बताया कि रात के करीब 3.30 बजे कृष्णा गोदावरी बेसिन रिग से गैस की आपूर्ति रोक दी गई। जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका।

कुत्ते हिंसक हैं या नहीं, कैसे तय होगा..., Stray Dogs पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मेनका गांधी ने दिया ये सॉल्यूशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले को लेकर पशु अधिकार कार्यकर्ता और बीजेपी नेता मेनका गांधी ने स्वागत किया है।

बता दें सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने आदेश दिया है कि शेल्टर होम भेजे गए सभी आवारा कुत्तों को छोड़ दिया जाए।

मेनका गांधी ने कोर्ट के आदेश का समर्थन किया कि कुत्तों के लिए विशेष खाने की जगहें बनाई जाएं और इस बात पर जोर दिया कि 25 साल बाद पहली बार सरकार ने इस कार्यक्रम के लिए संसद में 2500 करोड़ रुपये के फंड की घोषणा की है।

कुत्ते हिंसक हैं या नहीं कैसे तय होगा- मेनका गांधी ने कहा, मैं इस वैज्ञानिक फैसले से बहुत खुश हूं। कुत्तों के काटने की मुख्य वजह डर और जगह बदलना है। रेबीज से पीड़ित कुत्तों को छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। कोर्ट ने यह साफ नहीं किया कि आक्रामक कुत्ता कौन सा है, इसकी परिभाषा तय होनी चाहिए।

उन्होंने बताया, हम यह तय करने का प्रयास करेंगे कि आक्रामक कुत्ते कौन हैं। कानून के अनुसार, इस मामले पर एक समिति गठित की जाती है, जो यह तय करती है कि किस तरह के व्यवहार को आक्रामक माना जाएगा। ऐसे बहुत से लोग हैं जो कुत्तों के प्रति मित्रवत नहीं हैं और वे निर्णय में दिए गए खंड का फायदा उठा सकते हैं तथा कुत्तों को आक्रामक बता सकते हैं, ताकि उन्हें कैद में रखा जा सके। उन्होंने कहा, खाने की विशेष जगहें बनाना सही है। नगर निगम को ऐसी जगहों के लिए साइनबोर्ड भी लगाने होंगे। कोर्ट ने कहा है कि यह फैसला पूरे देश पर लागू होगा। आदेश के मुताबिक, नगर निगमों को उचित एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर बनाना होगा।

15 अगस्त पर नक्सलियों के स्मारक पर फहराया तिरंगा और लगाए नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के एक गांव में नक्सलियों ने एक शख्स को मौत की नींद सुला दिया। एक अधिकारी ने बताया कि इस व्यक्ति ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नक्सलियों के स्मारक पर तिरंगा फहराया था और पुलिस की मदद भी की थी।

अधिकारियों ने मृतक की पहचान छोटेबेटिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बिनगुंडा गांव के मनीष नुरेटी के रूप में की। उन्होंने बताया कि सोमवार को हथियारों से लैस नक्सलियों का एक रूप गांव में पहुंचा और नुरेटी के साथ-साथ दो अन्य लोगों को बंधक बना लिया।

भरी सभा में नक्सलियों ने की हत्या- अधिकारी ने गुरुवार को बताया, उन्होंने एक जन अदालत लगाई, जहां नुरेटी की हत्या कर दी गई, जबकि अन्य दो को पिटाई करने के बाद छोड़ दिया गया। माओवादियों ने एक पोस्टर लगाकर दावा किया कि नुरेटी पुलिस का मुखबिर था, जो कि झूठ है।

पहले भी कईयों को उतारा मौत के घाट- कांकेर जिले के पुलिस अधीक्षक आई.के. एलेसेला ने कहा कि नुरेटी का शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है और उसके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। एलेसेला ने बताया, नक्सली अक्सर बिनगुंडा गांव आते हैं। पिछले डेढ़ साल में नक्सलियों ने पुलिस मुखबिर होने का आरोप लगाकर चार-पांच लोगों की हत्या कर दी है। हालांकि, मृतकों में से किसी का भी पुलिस से कोई संबंध नहीं था।

2 लड्डू नहीं दिए तो कर दी CM से शिकायत, नाराज शख्स को मनाने के लिए पंचायत ने किया ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में भिंड जिले के नौधा गांव में कमलेश कुशवाह ने सीएम हेल्पलाइन पर अनोखी शिकायत की। उसने लिखा कि स्वतंत्रता दिवस पर पंचायत कार्यालय में आयोजित समारोह में उसे एक ही लड्डू दिया गया।

शिकायत मिलने के बाद प्रक्रिया अनुसार इसे पंचायत के संज्ञान में लाया गया। पंचायत सचिव माला लेकर कमलेश को घर जाकर लड्डू खिलाने पहुंचे। फिर भी उसने लड्डू न लेकर शिकायत वापस लेने से इंकार कर दिया।

वे टैरिफ के महाराज हैं, ट्रंप के व्यापार सलाहकार ने रूसी तेल खरीद पर भारत को लेकर क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया। कुछ दिनों बाद इस अतिरिक्त टैरिफ के प्रभावित होने की संभावना है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत को टैरिफ का महाराज करार दिया है। उन्होंने भारत पर रूसी तेल का आयात जारी रखकर मुनाफाखोरी की योजना चलाने का आरोप तक लगाया है। उन्होंने दावा किया कि बस कुछ दिनों बाद से ही भारत पर पूरा 50 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा।

जानिए क्या बोले ट्रंप के व्यापार सलाहकार- बता दें कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने 27 अगस्त से भारत पर लागू होने वाले 25 प्रतिशत के दंडात्मक टैरिफ के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने व्हाइट हाउस के बाहर संवाददाताओं से कहा कि मुझे ऐसा होता हुआ दिख रहा है।

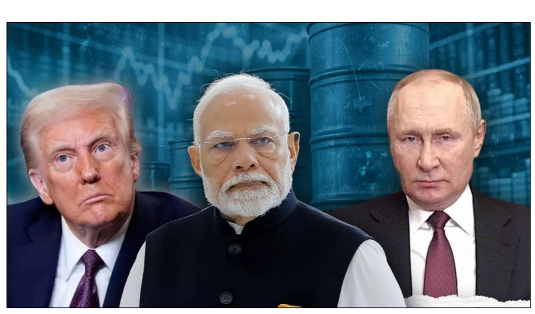

नवारो ने कहा कि फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुए युद्ध से पहले भारत वस्तुतः कोई रूसी तेल नहीं खरीदता था। उन्होंने दावा किया कि यह उनकी (भारत) जरूरत का लगभग एक प्रतिशत था। नवारो ने कहा कि अब यह प्रतिशत बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया है, उन्हें तेल की जरूरत नहीं है। यह एक रिफाइनिंग मुनाफा-साझाकरण योजना है। यह क्रेमलिन के लिए एक लॉन्ड्रोमैट है। यही इसकी सच्चाई है।

भारत ने दिया है सीधा जवाब- बता दें कि रूस की यात्रा पर पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों की अमेरिकी अधिकारियों द्वारा की गई आलोचना का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत सरकार अमेरिका के सभी बयान पर कड़ी नजर रखे हुए है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम एक ऐसा देश हैं जहां, वास्तव में, अमेरिकी पिछले कुछ वर्षों से कह रहे हैं कि हमें विश्व ऊर्जा बाजारों को स्थिर करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है।

भारत और रूस के बीच तेल व्यापार से अमेरिका है परेशान- गौरतलब है कि भारत ने साल 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू होने के बाद से रूस से तेल आयात बढ़ा दिया था। बता दें कि साल 2022 में जब सात देशों के समूह ने क्रेमलिन के ऊर्जा राजस्व को सीमित करने के उद्देश्य से मास्को के कच्चे तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लगा दी थी, तब से भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ा दिया है।

अमेरिका में 5.5 करोड़ वीजा पर लटकी तलवार! ट्रक ड्राइवरों पर भी लग सकता है बैन; इस कारण लिया गया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की कमान संभाली है, तब से वह लगातार अवैध अप्रवासी के खिलाफ एक्शन से रहे हैं। इस बीच अमेरिकी प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, अमेरिका ने सभी विदेशी ट्रक ड्राइवरों के लिए वीजा जारी करना तुरंत बंद कर दिया है। इस बात की जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। विदेशी ट्रक ड्राइवरों की नो एंट्री- 21 अगस्त को एक पोस्ट में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने लिखा है कि हम तत्काल प्रभाव से कमर्शियल ट्रक ड्राइवरों के लिए वर्कर वीजा जारी करने पर रोक लगा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि इस फैसले के पीछे की वजह अवैध रूप से अमेरिका गया हरजिंदर सिंह है, जिसकी एक गलती से एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें 3 लोगों की जान चली गई।

अमेरिका के विदेश मंत्री ने क्या कहा- एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिकी विदेश मंत्री ने लिखा कि हम तत्काल प्रभाव से वाणिज्यिक ट्रक चालकों के लिए श्रमिक वीजा जारी करना रोक रहे हैं। अमेरिकी सड़कों पर बड़े ट्रैक्टर-ट्रेलर ट्रक चलाने वाले विदेशी चालकों की बढ़ती संख्या अमेरिकी जीवन को खतरे में डाल रही है और अमेरिकी ट्रक चालकों की आजीविका को प्रभावित कर रही है।

ध्यान देने योग्य है कि अमेरिकी विदेश मंत्री की ये घोषणा अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा हरजिंदर सिंह के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के तुरंत बाद आई है। बता दें कि डीएचएस ने फ्लोरिडा राजमार्ग सुरक्षा एवं मोटर वाहन विभाग के हवाले से बताया कि सिंह नामक एक अवैध विदेशी ने 12 अगस्त को केवल आधिकारिक उपयोग वाले प्रवेश बिंदु से अवैध रूप से यू-टर्न लेने का प्रयास किया, जिससे उसके ट्रक ने राजमार्ग की सभी लेन अवरुद्ध कर दीं और परिणामस्वरूप दुर्घटना हो गई, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई।

ट्रंप टैरिफ का तोड़ निकालने के लिए भारत ने खोला डिप्लोमेटिक चैनल, US सिक्योरिटी एजेंसी के सदस्य से क्यों मिले क्वात्रा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अमेरिका में राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी सांसद जोश गॉटथीमर के साथ मुलाकात कर दोनों देशों के बीच संतुलित, निष्पक्ष और आपसी फायदे वाले व्यापारिक रिश्तों पर चर्चा की है।

इस दौरान उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग, खासकर तेल और गैस के व्यापार पर ताजा अपडेट साझा किए। यह मुलाकात ऐसे वक्त में हुई जब रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका में भारत के खिलाफ तल्ख टिप्पणियां सामने आ रही हैं।

क्वात्रा ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, आज जोश गॉटथीमर, नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी और साइबर सबकमिटी के रैंकिंग मेंबर के साथ बातचीत को सराहा। ऊर्जा सहयोग में ताजा घटनाक्रम, खासकर तेल और गैस में दोतरफा व्यापार और संतुलित, निष्पक्ष व आपसी फायदे वाले व्यापारिक रिश्तों पर अपडेट साझा किए।

इससे पहले बुधवार को क्वात्रा ने सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष, टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन से मुलाकात की। इस बातचीत में टेक्सास और भारत के बीच हाइड्रोकार्बन और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया। क्वात्रा ने एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए सीनेटर कॉर्निन के लगातार समर्थन के लिए शुक्रिया। आपसी सम्मान पर आधारित व्यापारिक रिश्तों की अहमियत पर बात हुई।

इसी तरह, विनय क्वात्रा ने हाउस सबकमिटी ऑन फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस एंड मॉनेटरी पॉलिसी के चेयरमैन और इंडिया कॉकस के वाइस को-चेयर सांसद एंडी बैर से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों से साफ है कि भारत-अमेरिका रिश्तों को और मजबूत करने की कोशिशें तेज हैं।

इन मुलाकातों के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चिंताओं ने माहौल को गर्म कर दिया है।

पाकिस्तान में जोरदार धमाके से 2 लोगों की मौत और 33 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में गुरुवार को एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ, जब ताज मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास एक घनी आबादी वाले इलाके में गोदाम में जबरदस्त धमाका हुआ।

इस हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि 33 अन्य जख्मी हो गए। पुलिस सर्जन डॉ. सुम्मैया सय्यद ने बताया कि जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर में 20 जख्मी मरीज भर्ती किए गए, जिनमें से दो की हालत नाजुक है। इसके अलावा, 14 अन्य जख्मियों को सिविल हॉस्पिटल कराची के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

बाद में उन्होंने पुष्टि की कि गोदाम की जगह पर एक 16 साल का लड़का मृत पाया गया, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से जख्मी मरीज ने भी दम तोड़ दिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह धमाका एक तीन मंजिला इमारत के बेसमेंट में हुआ। इसके ऊपरी मंजिलों पर परिवार रहते थे। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता हसनुल हसीब खान ने बताया कि गोदाम में पटाखों के लिए इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल रखा था। शुरुआती जांच में पता चला कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी, जिसके बाद ज्वलनशील सामान की वजह से जबरदस्त धमाका हुआ। बार-बार भड़क रही आग धमाके की तीव्रता इतनी थी कि इमारत को भारी नुकसान पहुंचा।

साउथ अमेरिका के पास समंदर में भूकंप के तेज झटके, 7.5 तीव्रता से कांप गया ड्रेक पैसेज

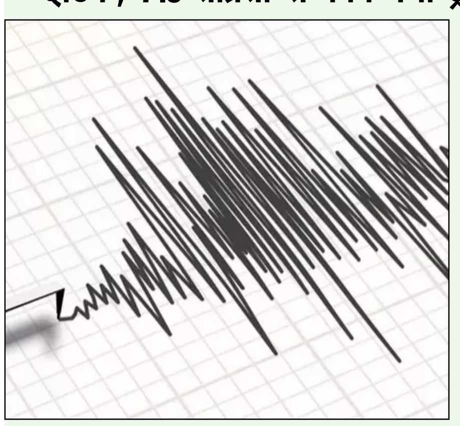

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अमेरिका के ड्रेक पैसेज इलाके में जोरदार भूकंप आया। शुरूआत में भूकंप की तीव्रता 8 बताई जा रही है। हालांकि बाद में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने इसकी तीव्रता 7.5 कर दी गई।

इस जोरदार भूकंप के बाद सुनामी की वॉर्निंग जारी कर दी गई है। यूएसजीएस के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप 10.8 किलोमीटर की गहराई पर आया।

हालांकि अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने ड्रेक पैसेज भूकंप के बाद कोई चेतावनी जारी नहीं की, लेकिन प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र (पीटीडब्ल्यूसी) ने चिली के लिए संक्षिप्त चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया कि ड्रेक पैसेज में आए भूकंप से अगले तीन घंटों के भीतर चिली के कुछ तटों पर खतरनाक सुनामी लहरें उठने की आशंका है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को किया गया गिरफ्तार, भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में एक्शन

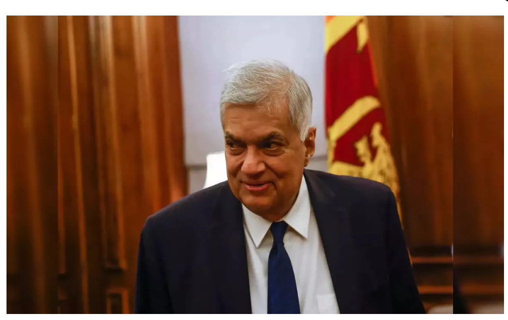

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि कथित भ्रष्टाचार के मामले में उनकी गिरफ्तारी हुई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को कोलंबो में क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने पूर्व राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि उनकी गिरफ्तारी ऐसे समय पर हुई है, जब वह अपनी पुराने एक भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए सीआईडी के ऑफिस पहुंचे थे।

गए थे बयान दर्ज कराने हो गई गिरफ्तारी- मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे शुक्रवार को एफसीआईडी के सामने पेश हुए थे। यहां पर वह अपना बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचे थे। अधिकारियों का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाएगा।

कौन हैं रानिल विक्रमसिंघे- बता दें कि विक्रमसिंघे जुलाई 2022 में गोटाबाया राजपक्षे के शेष कार्यकाल के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति बने थे। कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के विरोध में महीनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद गोटाबाया राजपक्षे ने अपना पद छोड़ दिया था।

बताया जाता है कि श्रीलंका में साल 2022 में देश में आए सबसे बुरे वित्तीय संकट के लिए राजपक्षे को ही जिम्मेदार माना जाता है। विक्रमसिंघे सितंबर में अपनी पुनः चुनावी बोली हार गए थे।

हमास के लिए खुलेगा नरक का दरवाजा, इजरायल ने कब्जा करने को लेकर दी फाइनल वॉर्निंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के रक्षा मंत्री ने धमकी दी है कि अगर हमास निरस्त्रीकरण, फिलिस्तीनी क्षेत्र में बचे हुए सभी बंधकों को रिहा करने और तेल अवीव की शर्तों पर युद्ध खत्म करने पर सहमत नहीं हुआ तो वह गाजा शहर को तबाह कर दिया जाएगा।

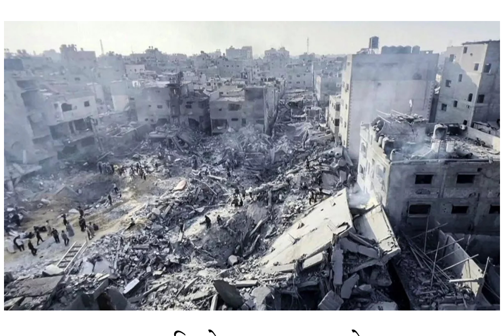

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब इजरायल इस क्षेत्र में एक बड़े पैमाने पर आक्रमण की तैयारी कर रहा है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ÷जल्द ही गाजा में हमास के हत्यारों और बलात्कारियों के सिर पर नरक के द्वार खुल जाएंगे - जब तक कि वे युद्ध समाप्त करने के लिए इजरायल की शर्तों पर सहमत नहीं हो जाते, मुख्य रूप से सभी बंधकों की रिहाई और उनका निरस्त्रीकरण।

गाजा को बना देंगे राफा- उन्होंने कहा, अगर वे सहमत नहीं होते हैं तो हमास की राजधानी गाजा, राफा और बेत हनून बन जाएगी। उनका इशारा गाजा के उन दो शहरों की ओर था, जो पिछले इजरायली अभियानों के दौरान बड़े पैमाने पर नष्ट हो गए थे।

उनकी यह टिप्पणी इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सेना को गाजा शहर पर कब्जा करने का अधिकार देंगे। नेतन्याहू ने गाजा में बचे हुए सभी बंधकों को छुड़ाने के लिए तत्काल बातचीत का आदेश दिया है।

चुनाव से पहले बम धमाके से हिल गया कोलंबिया, एअरबेस के पास ब्लास्ट से 5 की मौत और 36 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबिया ये बड़ी खबर सामने आई है। कोलंबिया के कैली शहर की एक व्यस्त सड़क पर एक वाहन में हुए बम विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए।

अभी तक की जानकारी के अनुसार, बम शहर के उत्तर में स्थित मार्को फिदेल सुआरेज़ मिलिट्री एविएशन स्कूल को निशाना बनाकर फेंका गया था। बताया जा रहा है कि देश में अगले साल चुनाव होने को हैं। ऐसे में चुनाव से पहले राष्ट्र में शांति स्थापित शांति प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए एक बड़ी चुनौती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक 65 साल के प्रत्यक्षदर्शी हेक्टर फैबियो बोलानोस ने बताया कि एअरबेस के पास किसी चीज के फटने की तेज आवाज आई। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोग घायल हुए हैं। बेस के सामने कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ब्लास्ट के बाद कई इमारतों और एक स्कूल को खाली करा लिया गया।

ब्लास्ट में पांच लोगों की मौत- कैली के मेयर एलेजांद्रो एडर ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि इस ब्लास्ट में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। वहीं, इस हादसे में 36 लोग घायल हुए हैं।

उन्होंने शहर में बड़े ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। इस दौरान उन्होंने एलान करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध ट्रक के बारे में जानकारी देने वाले को 10,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम दिया जाएगा।

न ऑटो, न टैक्सी, न बस... इस शहर में लिफ्ट है ट्रांसपोर्ट का जरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में एक ऐसा शहर है, जो अपने अनूठे ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए जाना जाता है। कोयले की खदानों के लिए मशहूर इस शहर में न कोई ऑटो रिक्शा चलती है, न टोटो और न ही टैक्सी। यहां के लोग एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने के लिए लिफ्ट का सहारा लेते हैं।

दुर्गम पहाड़ी इलाकों में बसे इस शहर का नाम चिरमिरी है। आबादी महज 85 हजार और क्षेत्रफल 29 किलोमीटर से ज्यादा। आठ अलग-अलग पहाड़ी क्षेत्रों में फैले चिरमिरी की भौगोलिक स्थिति के कारण सार्वजनिक परिवहन का यहां अभाव है।

आदत बन गई शहर की संस्कृति- स्थानीय लोग बताते हैं कि अविभाजित मध्य प्रदेश के समय यहां काम करने वाले कोयला मजदूरों के पास स्कूटर नहीं होते थे। इसलिए वह आने-जाने के लिए रास्ते से गुजरने वाले लोगों से लिफ्ट लिया करते थे। समय के साथ यही आदत यहां की प्रथा बन गई।

बताते हैं कि आज भी अगर कोई व्यक्ति यहां किसी को सड़क किनारे इंतजार करते हुए दिखाई पड़ जाता है, तो कार चालक या मोटरसाइकिल सवार उसे रुककर लिफ्ट ऑफर करते हैं। अजनबियों को भी इससे बाहर नहीं रखा जाता। जो लोग शहर में नए हैं, उन्हें खासकर लिफ्ट ऑफर की जाती है।

शहर की पूर्व महापौर डमरू रेड्डी ने सिटी बस सेवा शुरू करने की कोशिश की थी, लेकिन ये कारगर नहीं हो पाई। बसें टूट-फूट गईं और हाल ही में इनका 10 साल का सरकारी टेंडर भी खत्म हो गया। ढलान और जंगलों से घिरे होने के कारण यहां ऑटो रिक्शा भी प्रैक्टिकल नहीं है। ऐसे में लिफ्ट लेना ही यहां की संस्कृति का हिस्सा है।

नमस्ते सदा वत्सले..., कर्नाटक विधानसभा में अचानक RSS की प्रेयर क्यों गाने लगे डीके शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में आरएसएस की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे गाकर सबको चौंका दिया।

दरअसल, विधानसभा में चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ पर बहस चल रही थी और तभी अचानक से डीके शिवकुमार ये प्रेयर गाने लगते हैं। अचानक गाए गए इस गाने ने सदन में बैठे सभी विधायकों को अचंभित कर दिया।

अचानक क्यों गाने लगे आरएसएस की प्रेयर- दरअसल, मामले पर चर्चा के दौरान भाजपा नेता आर अशोक ने शिवकुमार को याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंने एक बार कहा था कि वो आरएसएस की चड्डी पहनते हैं। इस पर शिवकुमार ने कहा कि उन्हें अभी भी संघ की प्रार्थना याद है। इसके बाद वह प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि...... गाने लगे। इस पर सदन में खूब ठहाके लगे। एक तरफ जहां विपक्ष ने जमकर मेज थपथपाई तो वहीं कांग्रेस खेमे में सन्नाटा पसर गया। भाजपा विधायक वी. सुनील कुमार ने चुटकी लेते हुए कहा, उम्मीद है कि ये पंक्तियां रिकॉर्ड से नहीं हटाई जाएंगी। शिवकुमार ने जानना चाहा कि क्या ऐसी घटनाओं के बाद भी सरकारों ने कभी जिम्मेदारी ली है।

जोधपुर रवाना हुई एअर इंडिया की फ्लाइट अचानक लौटी वापस, मुंबई एयरपोर्ट पर हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार 22 अगस्त को मुंबई से जोधपुर के लिए उड़ान भरने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट AI645 में कुछ दिक्कत आने के कारण उसे वापस मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने जैसे ही उड़ान भरी, उसके बाद परिचालन संबंधी समस्या सामने आई। इसके बाद फ्लाइट को वापस मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया।

यात्रियों के लिए की गई व्यवस्था

उन्होंने बताया कि कॉकपिट क्रू ने मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए उड़ान को रोकने का फैसला किया और विमान को वापस लैंड कराया। फ्लाइट में मौजूद यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

अहमदाबाद में घटी थी दर्दनाक घटना- जून के महीने में अहमदाबाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सामने एअर इंडिया की फ्लाइट बड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई थी। इस घटना में क्रू मेंबर समेत 240 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे ने देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को झकझौक कर रख दिया था।

आधार को भी..., बिहार SIR पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश, चुनाव आयोग ने कांग्रेस-राजद की बताई सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार दोपहर कहा कि निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बिहार के मतदाताओं की ओर से प्रस्तुत किए जा सकने वाले 11 दस्तावेजों में से एक के रूप में आधार को स्वीकार करना होगा।

बता दें आधार को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखा गया है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 15 सितंबर 2025 की रखी है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने कांग्रेस-आरजेडी की सच्चाई भी सामने ला दी है और कहा कि राजनीतिक दलों को आगे आना चाहिए।

पार्टियों की निष्क्रियता पर चुनाव आयोग हैरान

चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग ने हटाए गए मतदाताओं के नामों को सही करने के मामले में राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जाहिर की है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में यह भी कहा कि बिहार एसआईआर में 85,000 नए मतदाता सामने आए हैं, हालांकि, राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों की ओर से केवल दो आपत्तियां दर्ज की गई हैं।

आपत्तियों पर पावती रसीद दी जाए- सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को ऑनलाइन और फिजिकल दोनों तरीकों से दावा दाखिल करने की अनुमति होगी। इसके लिए आधार कार्ड या 11 अन्य स्वीकार्य दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा, हम बिहार एसआईआर के लिए आधार कार्ड या किसी अन्य स्वीकार्य दस्तावेज के साथ हटाए गए मतदाताओं के दावों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अनुमति देंगे।

पहले पत्नी के किए सैकड़ों टुकड़े, फिर थैले में दिल लेकर घूमता रहा पति; जलपाईगुड़ी में दिल दहला देने वाली घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के मायनागुड़ी इलाके में एक खौफनाक घटना घटी है, जिसने पूरे जिले को हिला कर रख दिया। इलाके के रहने वाले रमेश राय नाम के व्यक्ति ने अपनी पत्नी दीपाली राय की न सिर्फ हत्या की, बल्कि उसके शव को टुकड़ों में काटा और दिल समेत कई अंग थैले में भरकर गांव में घूमता रहा। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपी ने कुछ लोगों को थैला खोलकर पत्नी का दिल भी दिखाया। इस घटना के बाद भयभीत लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पंचायत को दी। पंचायत प्रमुख ने पुलिस को जानकारी दी।

पुलिस ने शव के बाकी हिस्से किए बरामद- इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव के बाकी हिस्सों को बरामद किया और उन्हें फिर पोस्टमार्टम के लिए जलपाईगुड़ी सरकारी कॉलेज अस्पताल भेजा। फिलहाल, आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, रमेश राय ने सुबह पत्नी की बत्या करने के बाद उसके शरीर को धारदार हथियार से काट डाला। इसके बाद वह थैला लेकर आस-पड़ोस के घरों में घूमता रहा। एक पड़ोसी ने बताया कि उसने खुद आकर थैला खोला और दिल व शरीर के अन्य हिस्से दिखाए।

इसके बाद गांव के लोग आरोपी के घर पहुंचे, जहां बिस्तर खून से बिल्कुल लथपथ पड़ा था। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया। मायनागुड़ी थाने के प्रभारी सुबल चंद्र घोष ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी कुछ देर तक इलाके में शव के टुकड़े लेकर घूमता रहा। हमारी टीम ने शव के टुकड़ों को बरामद किया है और आरोपी की तलाश जारी है।

मायनागुड़ी ग्राम पंचायत की प्रमुख नीलिमा राय ने कहा, जब मुझे सूचना मिली कि एक आदमी थैले में शरीर के अंग लेकर घूम रहा है तो मैंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। यह बेहद भयावह दृश्य था।

लिपुलेख दर्रे को लेकर क्यों हाय-तौबा मचा रहा नेपाल, जानें कैसे हुआ भारत से विवाद; क्या है वो संधि जिसे दोनों मानते हैं आधार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बुधवार को लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के भारत और चीन के फैसले पर नेपाल की आपत्ति को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया और कहा कि इस क्षेत्र पर काठमांडू का दावा उचित नहीं है और न ही ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है।

भारत और चीन मंगलवार को लिपुलेख दर्रे और दो अन्य व्यापारिक बिंदुओं के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमत हुए है।

नेपाली विदेश मंत्रालय ने बुधवार को लिपुलेख दर्रे के जरिए सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह क्षेत्र नेपाल का अभिन्न अंग है।

कोविड के वक्त नेपाल ने विवाद को दिया जन्म 2020 में, नेपाल ने एक राजनीतिक मानचित्र जारी करके सीमा विवाद को जन्म दिया था, जिसमें कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख को देश का हिस्सा दिखाया गया था। भारत ने इन दावों का कड़ा विरोध किया था।

नेपाल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह सर्वविदित है कि नेपाल सरकार भारत सरकार से अनुरोध करती रही है कि वह इस क्षेत्र में सड़कों का निर्माण या विस्तार न करे और सीमा व्यापार जैसी किसी भी गतिविधि में शामिल न हो।

इसमें आगे कहा गया है कि नेपाल सरकार ने चीन सरकार को पहले ही सूचित कर दिया है कि यह क्षेत्र नेपाली क्षेत्र में आता है।

नेपाल ने कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख के क्षेत्र महाकाली नदी के पूर्व में स्थित हैं और ऐतिहासिक रूप से नेपाल का हिस्सा हैं। लिपुलेख नेपाल का अविभाज्य हिस्सा है और इन्हें नेपाल के आधिकारिक नक्शे और संविधान में शामिल किया गया है।

लिपुलेख दर्रा भारत, नेपाल और चीन की सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण हिमालयी दर्रा है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल अमावस्या

संपादकीय

भारतीय स्वतंत्रता के बाद से अब तक देश में 129 बार संविधान संशोधन किए गए हैं

भारतीय स्वतंत्रता के बाद से अब तक देश में 129 बार संविधान संशोधन किए गए हैं और हर बार इनका उद्देश्य लोकतंत्र को मज़बूत करना, जनकल्याण को सुनिश्चित करना और शासन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना रहा है।वर्ष 2025 में पेश किया गया संविधान (130 वां संशोधन विधेयक) इसी कड़ी की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका मुख्य उद्देश्य मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाना है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र,ऐसा मानता हूं कि आज़ादी के 75 साल बाद भी यदि भ्रष्टाचार उच्च पदस्थ नेताओं और मंत्रियों तक फैला है, कि 10 पेर्सेंट 20 पेर्सेंट नामों से उनका संज्ञान लिया जाता है,जो न केवल लोकतंत्र के लिए चुनौती है बल्कि जनता के विश्वास पर भी गहरी चोट है।

यही कारण है कि इस विधेयक ने राजनीतिक विमर्श में हलचल मचा दी है।भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में भ्रष्टाचार हमेशा से सबसे गंभीर समस्या रहा है।1960 और 1970 के दशक से लेकर आज तक कई बड़े घोटाले हुए,चाहे वह बोफोर्स हो,कोयला घोटाला हो, 2जी स्पेक्ट्रम,या फिर हाल के वर्षों में विभिन्न मंत्रालयों में सामने आए अनियमितताओं के मामले।अक्सर जनता यह आरोप लगाती रही है कि ÷कानून केवल छोटे अपराधियों के लिए है, बड़े नेताओं और मंत्रियों पर कभी हाथ नहीं डाला जाता।÷यह धारणा लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करती है।संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 75 और 164 में मंत्रियों की जिम्मेदारी तय की थी,परंतु उनके खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी तंत्र को पर्याप्त दाँत-पंजे नहीं दिए गए।मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कभी सीबीआई,कभी लोकपाल, कभी सीवीसी का सहारा लिया गया, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण ÷न्याय÷ अक्सर विलंबित हुआ। इसी पृष्ठभूमि में 130 वां संशोधन लाया गया, जो पहली बार संविधान में विशेष प्रावधानों के तहत मंत्रियों के भ्रष्टाचार पर सीधी कार्रवाई की गारंटी देता है।गृह व सहकारिता मंत्री ने विधेयक पेश करने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया, 21 अगस्त 2025 को संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई।

साथियों बात अगर हम संविधान (130 वां संशोधन) विधेयक 2025 को समझने की करें तो,यह विधेयक 20 अगस्त 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा संसद के मानसून सत्र में लोकसभा में पेश किया गया।सेक्शन वाइज वअन्य संलग्न जानकारी-(अ) उद्देश्य और नैतिकता को संवारना- -विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरती नैतिकता को सुधारना, राजनीतिक नेतृत्व में पारदर्शिता लाना, और यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर आरोपों का सामना कर रहे मंत्री (प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, अन्य मंत्री) जेल से सरकार न चला सकें। (ब) संविधान के अनुच्छेदों में संशोधन-यह विधेयक निम्नलिखित अनुच्छेदों में संशोधन प्रस्तावित करता है,(1) अनुच्छेद 75 (केंद्र के मंत्रिमंडल)- प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के लिए लागू।(2) अनुच्छेद 164 (राज्य के मंत्रिमंडल) -मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रियों पर लागू। (3) अनुच्छेद 239 (दिल्ली विधान सभा और मंत्रिमंडल)-राष्टीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए लागू।संशोधन का उद्देश्य इन पदों पर बैठे नेताओं को गहन आरोपों के बीच पद में बने रहने से रोकना है (4) मुख्य प्रावधान-यदि कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्री लगातार 30 दिनों तक गंभीर अपराधों (5 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में गिरफ्तार या हिरासत में रहता है, तो उसे पद से हटाया जाएगा। केंद्रीय स्तर- राष्टपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे 31वें दिन पद से हटाएगा; यदि सलाह न दी जाए, तो वह स्वयं पर से अपने आप पदमुक्त हो जाएगा।राज्य स्तर-राज्यपाल,मुख्यमंत्री की सलाह पर हटाएगा; सलाह न आने पर 31वें दिन स्वतः पद समाप्त मान लिया जाएगा।

राजकुमार शुक्ल

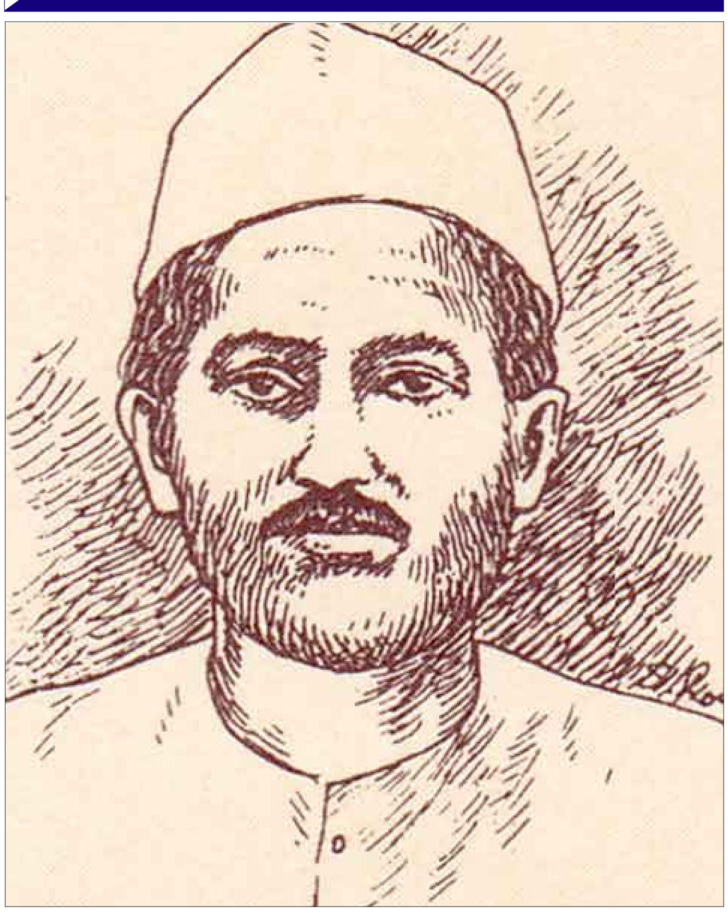

राजकुमार शुक्ल भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समय बिहार के चंपारण के निवासी और स्वतंत्रता सेनानी थे। ये राजकुमार शुक्ल ही थे जिन्होंने गांधीजी को चंपारण आने को बाध्य किया और आने के बाद गांधीजी के बारे में मौखिक प्रचार करके सबको बताया ताकि जनमानस गांधी पर भरोसा कर सके और गांधी के नेतृत्व में आंदोलन चल सके।

चंपारण सत्याग्रह में योगदान

महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह में दर्जनों नाम ऐसे रहे जिन्होंने दिन-रात एक कर गांधी का साथ दिया। अपना सर्वस्व त्याग दिया। उन दर्जनों लोगों के तप, त्याग, संघर्ष, मेहनत का ही असर रहा कि कठियावाड़ी ड्रेस में पहुंचे बैरिस्टर मोहनदास करमचंद गांधी चंपारण से 'महात्मा' बनकर लौटते हैं और फिर भारत की राजनीति में एक नई धारा बहाते हैं। गांधी 1917 में चंपारण आए तो सबने जाना। गांधीजी के चंपारण आने के पहले भी एक बड़ी आबादी निलहों से अपने सामर्थ्य के अनुसार बड़ी लड़ाई लड़ रही थी। उस आबादी का नेतृत्व शेख गुलाब, राजकुमार शुक्ल, हरबंश सहाय, पीर मोहम्मद मुनिश, संत राउत, डोमराज सिंह, राधुमल मारवाड़ी जैसे लोग कर रहे थे। यह गांधीजी के चंपारण आने के करीब एक दशक पहले की बात है। 1907-08 में निलहों से चंपारण वालों की भिड़ंत हुई थी। यह घटना कम ऐतिहासिक महत्व नहीं रखती। शेख गुलाब जैसे जांबाज ने तो निलहों का हाल बेहाल कर दिया था। चंपारण सत्याग्रह का अध्ययन करने वाले भैरवलाल दास कहते हैं, 'साठी के इलाके में शेख ने तो अंग्रेज बाबुओं और उनके अर्दलियों को पटक-पटककर मारा था। इस आंदोलन में चंपारण वालों पर 50 से अधिक मुकदमे हुए और 250 से अधिक लोग जेल गये। शेख गुलाब सीधे भिड़े तो पीर मोहम्मद मुनिश जैसे कलमकार 'प्रताप' जैसे अखबार में इन घटनाओं की रिपोर्टिंग करके तथ्यों को उजागर कर देश-दुनिया को इससे अवगत कराते रहे। राजकुमार शुक्ल जैसे लोग रैयतों को आंदोलित करने के लिए एक जगह से दूसरी जगह की भाग-दौड़ करते रहे।'

राजकुमार शुक्ल और गाँधीजी

1909 में गोरले नामक एक अधिकारी को भेजा गया। तब नील की खेती में पंचकठिया प्रथा चल रही थी यानी एक बीघा जमीन के पांच कट्ठे में नील की खेती अनिवार्य थी। 'इस आंदोलन का ही असर रहा कि पंचकठिया की प्रथा तीनकठिया में बदलने लगी यानी रैयतों को पांच की जगह तीन कट्ठे में नील की खेती करने के लिए निलहों ने कहा।' 'गांधीजी के आने के पहले चंपारण में इन सारे नायकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।' इनमें कौन महत्वपूर्ण नायक था, तय करना मुश्किल है। सबकी अपनी भूमिका थी, सबका अपना महत्व था, लेकिन 1907-08 के इस आंदोलन के बाद गांधी को चंपारण लाने में और उन्हें सत्याग्रही बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही राजकुमार शुक्ल की। ये राजकुमार शुक्ल ही थे जो गांधीजी को चंपारण लाने की कोशिश करते रहे। गांधीजी को चंपारण बुलाने के लिए एक जगह से दूसरी जगह दौड़ लगाते रहे। चिट्ठियां लिखवाते रहे।

चिट्ठियां गांधीजी को भेजते रहे। पैसे न होने पर चंदा करके, उधार लेकर गांधीजी के पास जाते रहे। कभी अमृत बाजार पत्रिका के दफ्तर में रात गुजारकर कलकत्ता (अब कोलकाता) में गांधीजी का इंतजार करते रहते, कई बार अखबार के कागज को जलाकर खाना बनाकर खाते तो कभी भाड़ा बचाने के लिए शवयात्रा वाली गाड़ी पर सवार होकर यात्रा करते। राजकुमार शुक्ल के ऐसे कई प्रसंग हैं। खुद गांधीजी ने अपनी आत्मकथा 'माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रूथ' में राजकुमार शुक्ल पर एक पूरा अध्याय लिखा है।

रॉलेट एक्ट का विरोध

राजकुमार शुक्ल की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण अध्याय गांधीजी के चंपारण से चले जाने के बाद का है, जिस पर अधिक बात नहीं होती। उनके जाने के बाद भी शुक्ल का काम जारी रहता है। रॉलेट एक्ट के विरुद्ध वे ग्रामीणों में जन जागरण फैलाते रहे। इस एक्ट को मार्च, 1919 में अंग्रेजों ने भारत में उभर रहे राष्टीय आंदोलन को कुचलने के उद्देश्य से बनाया था। यह कानून सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर बनाया गया था। इसके अनुसार ब्रितानी सरकार को यह अधिकार प्राप्त हो गया था कि वह किसी भी भारतीय पर अदालत में बिना मुकदमा चलाए और बिना दंड दिए उसे जेल में बंद कर सकती थी। इस कानून के तहत अपराधी को उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने वाले का नाम जानने का अधिकार भी समाप्त कर दिया गया था। इस कानून के विरोध में देशव्यापी हड़तालें, जुलूस और प्रदर्शन होने लगे। गांधीजी ने व्यापक हड़ताल का आह्वान किया। गौरतलब है कि जलियांवाला बाग़ में रॉलेट एक्ट का विरोध करने के लिए एक सभा हो रही थी, जिसमें अंग्रेज अधिकारी जनरल डायर ने अकारण उस सभा में उपस्थित भीड़ पर गोलियां चलवा दी थीं। इस कानून के ख़िलाफ़ भी वे जनता को जागृत कर रहे थे। राजकुमार शुक्ल 1920 में हुए असहयोग आंदोलन में भी सक्रिय रहे। वे चंपारण में किसान सभा का काम कर रहे थे।

ट्रैक्टर खरीदने के लिए भी सरकार देती है पैसा, सब्सिडी पाने के लिए बस करना होगा ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार किसानों के लिए तरह-तरह की योजनाएं चलाती रहती है। लेकिन कई ऐसी योजनाएं है जिनके बारे में लोगों को बहुत कम ही पता होता है। प्रमुख योजनाओं जैसे PM Kisan Samman Nidhi Yojana के बारे में तो सभी किसानों को पता होगा। लेकिन एक ऐसी योजना है जिसके बारे में सभी किसानों को पता हो। इन्हीं में से एक है पीएम किसान ट्रैक्टर योजना। इस योजना के जरिए सरकार किसानों को ट्रैक्टर खरीदने में आर्थिक मदद करती है। आइए इस योजना के बारे में जानते हैं।

भारत सरकार द्वारा शुरू की गई किसान ट्रैक्टर योजना, किसानों को 50त्न सब्सिडी प्रदान करती है। इसके जरिए किसान कम कीमत पर ट्रैक्टर और कृषि मशीनरी खरीद सकते हैं। यह योजना कृषि को आधुनिक बनाने और छोटे व सीमांत किसानों का वित्तीय बोझ कम करके उन्हें सशक्त बनाने के सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

कितनी मिलती है पीएम किसान ट्रैक्टर योजना के तहत सब्सिडी- PM Kisan Tractor Yojana राज्य के आधार पर ट्रैक्टरों पर 50त्न तक और अन्य कृषि मशीनरी पर 80त्न तक की सब्सिडी प्रदान करती है। जो किसान पहले ट्रैक्टर किराए पर लेते थे, वे अब ट्रैक्टर खरीद सकते हैं, जिससे किराये से जुड़ी आवर्ती लागतें समाप्त हो जाती हैं।

अगर आप एक किसान हैं तभी आप इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के तहत उन्हीं किसानों को सब्सिडी दी जाती है जो कृषि और किसानी के क्षेत्र में काम करते हैं।

योजना के लाभ का उपयोग करने के लिए आवेदक के पास कृषि भूमि होना अनिवार्य है।

आवेदक किसान भारत का स्थायी निवासी यानी नागरिक होना चाहिए।

आवेदक किसान की वार्षिक पारिवारिक आय प्रति वर्ष 1.5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। पीएम किसान ट्रैक्टर योजना का लाभ उठाने के लिए किसान को रजिस्ट्रेशन करना होता है। इसके लिए आपको अपने राज्य के कृषि पोर्टल पर जाकर आवेदन करना होगा। आवेदन करने के लिए आपके पास आधार कार्ड, भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र (जैसे खतियान/भूलेख), बैंक पासबुक की कॉपी, पासपोर्ट, साइज फोटो, मोबाइल नंबर, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) और निवास प्रमाण पत्र जैसे डॉक्यूमेंट्स होने चाहिए।

हेल्थ इंश्योरेंस में TPA कर रहा है मनमानी, क्लेम कर दिया रिजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर व्यक्ति बुरे वक्त में अस्पताल के खर्चों से बचने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदता है और मेडिकल इमरजेंसी के समय उसे इंश्योरेंस कवर से राहत मिलती है। क्लेम के समय हमेशा पॉलिसी होल्डर को कंपनी को सूचना देनी होती है और इसके लिए TPA से संपर्क करना होता है। क्या आप जानते हैं टीपीए क्या होता और कैशलेस ट्रीटमेंट से लेकर क्लेम सेटलमेंट में इसकी क्या भूमिका होती है।

जब भी मेडिकल इमरजेंसी आती है तो पॉलिसी होल्डर को कंपनी नहीं बल्कि टीपीए से संपर्क करना होता है क्योंकि कंपनी हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम सेटलमेंट को लेकर टीपीए को अधिकृत करती है। अक्सर, ऐसी शिकायतें भी आती हैं कि टीपीए क्लेम को लेकर पूरी तरह से पॉलिसीहोल्डर की मदद नहीं कर रहा है। ऐसी स्थिति में आप कंपनी से इसकी शिकायत कर, टीपीए को चेंज कर सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस में टीपीए को थर्ड-पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर जाना जाता है और यह एक ऐसा संस्थान है, जो इंश्योरेंस कंपनी के लिए क्लेम-हैंडलिंग प्रोसेस को संभालता है. क्लेम को लेकर आने वाली हर शिकायत और उसका समाधान टीपीए ही करता है. हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए, इंश्योरेंस कंपनी से अलग एक स्वतंत्र संगठन होता है. दरअसल, इन संस्थाओं को इंश्योरेंस कंपनियों की ओर से काम करने के लिए बीमा नियामक संस्था IRDAI द्वारा लाइसेंस दिया जाता है।

पहले टैरिफ की धमकी, फिर पीएम मोदी को बताया महान, कौन है ट्रंप को बिजनेस आइडिया देने वाले पीटर नवारो

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अमेरिका बार-बार भारत को टैरिफ की धौंस दिखा रहा है। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप पहले ही नई दिल्ली पर 25 फीसदी टैरिफ के अलावा 25 फीसदी जुर्माना लगा चुके हैं, और अब ट्रंप के सहयोगी ने भारत को सेकेंडरी टैरिफ को लेकर धमकाया है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर यूक्रेन युद्ध को जारी रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारतीय वस्तुओं पर द्वितीयक शुल्क 27 अगस्त से लागू होंगे।

अमेरिका की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और रूस आर्थिक व रक्षा संबंधों को मज़बूत करने पर विचार कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 21 अगस्त को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने यूक्रेन युद्ध पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक असफल बैठक की थी।

मुनाफाखोरी से रक्तपात तक के लगा दिए आरोप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी नवारो ने पत्रकारों से कहा कि यह कहना बकवास है कि भारत को रूसी तेल की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, लगता है भारत यूक्रेन में जारी रक्तपात में अपनी भूमिका स्वीकार नहीं करना चाहता। वह बिल्कुल भी नहीं करना चाहता। वह शी जिनपिंग के साथ नज़दीकियाँ बढ़ा रहा है। उन्होंने भारत पर रिफ़ाइनरी मुनाफ़ाखोरी का आरोप लगाया और कहा कि भारत को रूस से तेल आयात करने की ज़रूरत नहीं है। नवारो ने कहा, यह एक रिफ़ाइनरी मुनाफ़ाखोरी योजना है।

आलोचना के बाद पीएम मोदी को बताया महान नेता- हालांकि, नवारो ने आलोचना के साथ-साथ भारत के नेतृत्व की सराहना भी की और कहा कि शांति का रास्ता नई दिल्ली से होकर जाता है। नवारो ने कहा, मुझे भारत से प्यार है। पीएम मोदी एक महान नेता हैं। लेकिन, कृपया, कृपया, भारत, वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका पर गौर करे। आप अभी जो कर रहे हैं, वह शांति स्थापित करने के बजाय युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

नए बिल के बाद BGMI, फ्री फायर और GTA का क्या होगा? ई-स्पोर्ट्स और मनी गेम्स के बीच फर्क

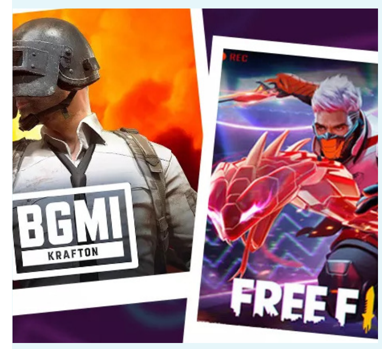

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने संसद में ऑनलाइन गेमिंग के प्रमोशन और रेगुलेशन बिल 2025 पेश किया और विपक्ष के विरोध के बावजूद इसे पास कर दिया। इस कानून के अनुसार, ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को बढ़ावा दिया जाएगा, जबकि ऑनलाइन मनी गेम्स पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी। यानी अब कोई भी व्यक्ति खेलों के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी नहीं कर पाएगा।

1. ई-स्पोर्ट्स- इसमें शतरंज, बैटल रॉयल या स्किल बेस्ड गेम्स आते हैं। जीत-हार खिलाड़ी की कौशल और अनुभव पर निर्भर करती है। कई बार इसमें इनामी राशि भी मिल सकती है।

ऑनलाइन सोशल गेम- ये ऐसे गेम हैं जिनसे बच्चे या यूज़र्स मनोरंजन और सीखने के लिए खेलते हैं। कभी-कभी सब्सक्रिप्शन या इन-ऐप परचेज करनी पड़ती है, लेकिन यहां पैसा जीतने का लालच नहीं होता।

3. ऑनलाइन मनी गेम - इस कैटेगरी में वे गेम आते हैं जिनमें पहले पैसे लगाकर खेलने की शर्त होती है और खिलाड़ियों को यह उम्मीद दी जाती है कि वे ज्यादा पैसे जीत सकते हैं। बार-बार खेलने पर ज्यादा कमाई का लालच दिखाया जाता है। इसे सरकार ने सट्टेबाजी जैसा खेल माना है।

ये हैं कुत्तों की सबसे महंगी नस्लें, कितने लाखों में है कीमत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुत्ता हमेशा से ही इंसान का पसंदीदा पालतू जानवर रहा है। कुत्ते को मालिक के लिए वफादार माना जाता है। लोग इन्हें अपने परिवार का सदस्य ही मानते हैं। भारत में सबसे महंगे कुत्तों की कोस्ट लाखों में है। कोई भी कुत्ता कितना महंगा होगा, ये उसके नस्ल पर ही निर्भर करता है।

आज हम भारत के सबसे महंगे नस्ल वाले कुत्तों के बारे में बात करेंगे। चलिए फटाफट से इनकी लिस्ट देख लेते हैं।

Tibetan Mastiff कुत्ते को अपने लार्ज साइज के लिए जाना जाता है। वहीं ये वफादार के साथ सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। जैसा की इसके नाम से पता चल रहा है कि ये कुत्ते मूल रूप से तिब्बत से ही है। वहीं पूरी दुनिया में भी ये महंगे नस्ल वाले कुत्तों में आते हैं।

लोग ज्यादातर इन्हें फैमली की सुरक्षा के लिए रखते हैं। हालांकि अगर आप पहली बार कुत्ता खरीदने जा रहे हैं, तो ये बेस्ट चयन नहीं रहेगा। क्योंकि ये आकार में काफी बड़े होते हैं। इन्हें खुश और स्वस्थ रहने के लिए बड़ा स्पेस चाहिए होता है।

बात करें इसके कोस्ट की तो ये 2 से 5 लाख रुपये के बीच आता है। पिटबुल नस्ल वाला कुत्ता आपने अक्सर कई लोगों के पास देखा होगा। क्योंकि ये देश में काफी मशहूर भी है। इसकी कोस्ट 1 से 2 लाख रुपये के बीच है। इसे लेकर लोगों के मन में ये धारणा रही है कि ये काफी खतरनाक है, लेकिन ऐसा नहीं है।

इन्हें अच्छी ट्रेनिंग की जरूरत होती है, ताकि ये बाकी कुत्तों के साथ और पब्लिक में सही व्यवहार करें।

Akita- अकिता को जापान से माना जाता है। ये कुत्ते भी अपने मालिक के प्रति काफी वफादार होते हैं। इनकी कीमत 1 लाख रुपये से 3 लाख रुपये तक हो सकती है। इन्हें किसी जमाने में भालू और डियर को ढूंढने के लिए उपयोग किया जाता था।

अकिता की वफादारी को लेकर जापान में इनका स्टेचू भी बनवाया गया है।

Rottweller- इसकी कीमत 30 हजार रुपये से 1.5 लाख रुपये तक हो सकती है। ये अपने ताकत और साहस के लिए जाना जाता है। ये बात ध्यान देने वाली है कि ये छोटे जानवर जैसे बिल्ली और खरगोश के साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर पाते।

French Bulldog- इस कुत्ते की कीमत 50 हजार रुपये से 2 लाख रुपये के बीच होती है। ये अपने खुशमिजाज व्यवहार के लिए जाना जाता है।

ट्रेन में अधिक सामान ले जाने पर नहीं देना होगा चार्ज, रेल मंत्री ने खुद दूर कर दी कन्फ्यूजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई रिपोर्ट में बताया गया है भारतीय रेलवे सामान नीति को बदलने और स्टेशनों के राजस्व को बढ़ाने के लिए देश भर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर एक पायलट परियोजना शुरू करने की योजना बना रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य सभी रेलवे स्टेशनों पर सामान नीति को विनियमित करना है, जैसा कि हवाई अड्डों पर पहले से ही लागू है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अब फ्लाइट की तरह ट्रेन में सीमित सामान ले जाना पड़ेगा? इस सवाल को लेकर हो रहे कन्फ्यूजन को खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दूर कर दी है।

फेक हैं ये सभी रिपोर्ट- केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सभी खबरों को पूरी तरह से फर्जी खबरें करार दिया। एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में, वैष्णव ने कहा कि रेलवे में सामान संबंधी नियम दशकों से मौजूद हैं। वैष्णव ने साक्षात्कार में कहा, ÷किसी ने पहले से मौजूद नियमों को उठाकर उन पर स्टोरी कर दी। यह पूरी तरह से फर्जी खबर है। ये नियम दशकों से मौजूद हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

साइबर ठग का नया पैंतरा... आइफोन में ऑफर बताकर हड़प लिए एक लाख, FIR दर्ज

जबलपुर। विजय नगर के एक इलेक्ट्रानिक शोरूम में आइफोन पर आफर बताकर ठग ने एक युवक से एक लाख रुपये हड़प लिए। मामले में गुरुवार को कोतवाली थाना में एफआईआर पंजीबद्ध की गई है। शातिर आरोपित ने धोखाधड़ी के लिए नया पैंतरा अपनाया। जिसमें उसने एक ही समय पर कुछ अंतराल में शोरूम और युवक को फोन किया।

दोनों को अलग-अलग झांसा दिया। साइबर धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया। मामले में शोरूम की एक्जीक्यूटिव को भी उलझा दिया। पुलिस फोन नंबर और रुपयों के लेन-देन के आधार पर आरोपित की तलाश कर रही है।

पहले शोरूम में की बात, बोला भाई को देना है उपहार-विजय नगर में क्रोमा इलेक्ट्रिक शोरूम है। वहां कार्यरत विक्रय प्रतिनिधि श्वेता तिवारी के पास आठ अगस्त को एक व्यक्ति ने फोन किया। उसने बताया कि वह हरियाणा में है। उसका भाई जबलपुर में रहता है। उसका जन्मदिन है। वह अपने भाई को सरप्राइज गिफ्ट में आइफोन देना चाहता है। उसने विक्रय प्रतिनिधि से कहा कि वह कुछ देर में अपने भाई को प्रतिष्ठान में भेजगा। उससे वहां कोई फोन की कीमत को लेकर बात न करें। वह जो फोन पसंद करें वह उसे दे दें। उसका भुगतान वह कर देगा। विक्रय प्रतिनिधि से उसने प्रतिष्ठान के बैंक खाता विवरण की जानकारी भी लिया, कि उस पर ऑनलाइन भुगतान करेगा।

युवक से फोन पर कहा- ऑफर है जाकर फोन ले लें-इलेक्ट्रानिक शोरूम की महिला प्रतिनिधि से बातचीत के बाद आरोपित ने बिलहरी निवासी करण खुराना को फोन किया। आरोपित ने उसे बताया कि वह विजय नगर के क्रोमा शोरूम का संचालक है। कंपनी अभी आइफोन खरीदने पर ऑफर दे रही है। यदि वह आइफोन खरीदना चाहता है तो विजय नगर के शोरूम में जाकर फोन पसंद कर सकता है। उसके लुभावने ऑफर के झांसे में युवक फंस गए।

उसने फोन पर बातचीत में फोन के कुछ मॉडल पर आकर्षक ऑफर बताए। युवक ने जिस मॉडल के फोन को चुना, उस पर शातिर आरोपित ने ऑनलाइन भुगतान पर ऑफर बताया। उसने एक क्यूआर कोड युवक के मोबाइल फोन पर भेजा, जिसे कंपनी का बताया। उस पर भुगतान करने के बाद शोरूम में जाकर विक्रय प्रतिनिधि श्वेता से मुलाकात फोन प्राप्त करने की बात कही।सस्ते फोन के झांसे में भेज दिए 92 हजार करण ने सस्ते फोन के झांसे में 92 हजार रुपये फोन का मूल्य और उसके बीमा के लिए छह हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया।

फिर वह शोरूम में पहुंचकर श्वेता से मिला। श्वेता ने उसे वह युवक समझा जिसे जन्मदिन पर हरियाणा वाला भाई फोन उपहार में देना चाहता था। युवक फोन पसंद करके जब बिल लेने पहुंचा तो वहां शोरूम के अन्य कर्मचारी भुगतान प्राप्त नहीं होने का बोलकर फोन देने से मना कर दिया। तब करण ने आरोपी के फोन पर कॉल किया तो वह बंद मिला। उसे समझ आया गया कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है।

भोपाल में बैंकिंग फर्जीवाड़ा! बीमा पॉलिसी ग्राहक के नाम पर खोला फर्जी खाता, 3 साल में 4 करोड़ का किया लेनदेन

भोपाल। एमपीनगर स्थित ढ्ढष्टढ्ढष्टढ्ढ बैंक शाखा में वित्तीय फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। जहां एक बीमा पॉलिसी ग्राहक के नाम पर फर्जी बैंक खाता खोलकर करोड़ों रुपये का लेन-देन किया गया ग्राहक को इस बात की जानकारी तब लगी जब उसे आयकर विभाग से नोटिस मिला। इसके बाद उसने भोपाल पुलिस आयुक्त से शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने बैंक अधिकारियों से इस संबंध में पूछताछ की तो मालूम हुआ कि बैंक के तत्कालीन मैनेजर का ट्रांसफर हो चुका है, जबकि खाता खोलने वाला कर्मचारी नौकरी छोड़कर भाग गया है। एमपीनगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने साल 2021 में स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी लेने के लिए अपने पहचान दस्तावेज एक बीमा एजेंट को दिए थे। एजेंट ने इन दस्तावेजों का दुरुपयोग करते हुए फरवरी 2021 में पीड़ित के नाम से बैंक खाता खुलवा दिया। खाते से लगातार बड़े लेन-देन होते रहे और लगभग तीन साल में करीब चार करोड़ रुपये का वित्तीय लेन-देन हुआ। पुलिस को आशंका है कि यह खाता साइबर अपराधियों के लिए म्यूल अकाउंट की तरह इस्तेमाल हुआ। अक्टूबर 2024 में जब आयकर विभाग ने संदिग्ध लेन-देन का नोटिस भेजा, तब पीड़ित को पूरे फर्जीवाड़े की जानकारी मिली। पीड़ित ने तुरंत बैंक से शिकायत की, लेकिन बैंक अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। पीड़ित का आरोप है कि बैंक ने 6 महीने तक टालमटोल किया और खाता विवरण तक उपलब्ध नहीं कराया। गुरुवार को पीड़ित ने भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र से शिकायत की। जांच के बाद सामने आया कि खाता फर्जी तरीके से खोला गया था और खाते से जुड़े मोबाइल नंबर के लिए भी फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल हुआ था।

एमपीनगर एसीपी मनीष भारद्वाज ने बताया कि बैंक को नोटिस भेजकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। इस मामले में बैंक का एक पूर्व कर्मचारी भी शामिल है। बताया जा रहा है कि खाता खोलने वाला कर्मचारी नौकरी छोड़कर भाग गया है, वहीं उस समय का बैंक मैनेजर भी ट्रांसफर होकर दूसरे स्थान पर चला गया। पुलिस का कहना है कि दोनों की भूमिका की जांच की जा रही है।

IFMIS में गलत एंट्री से बुजुर्ग कर्मचारी का अटका पैसा... खंडवा से भोपाल लगाए चक्कर, फिर भी नहीं मिला बकाया

भोपाल। सरकारी नौकरी का लंबा समय देने के बाद भी एक बुजुर्ग कर्मचारी अपने ही पैसे के लिए दफ्तर-दफ्तर भटकने को मजबूर हैं। खंडवा निवासी 76 वर्षीय नटवरदास कटारिया साल 2009 में स्वास्थ्य विभाग से रिटायर हुए थे, पिछले 6 महीने से अपने बकाया भुगतान के लिए भोपाल और खंडवा के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। कटारिया की परेशानी की असली वजह कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं, बल्कि सिर्फ ढ्डस्नस्ष्ट कोड की गलती है।

बुजुर्ग कर्मचारी का बैंक खाता तो खंडवा में है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की IFMIS (एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली) में गलत कोड दर्ज हो गया। इसी कारण उनके बकाया का भुगतान अटक गया है। यह तकनीकी त्रुटि उनके लिए बड़ी दीवार बनकर खड़ी हो गई है। पिछले दिनों उनकी बकाया राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन गलत कोड के कारण पैसा खाते में जमा नहीं हो सका।कटारिया का कहना है कि उन्होंने कई बार इस समस्या के समाधान के लिए आवेदन किए, अधिकारियों से मिले और दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन अब तक कोई नतीजा नहीं निकला। 76 साल की उम्र में जब उन्हें आराम और सम्मान की जरूरत है, तब वे गंभीर सांस की बीमारी से जूझते हुए भोपाल और खंडवा के दफ्तरों में फाइलों के पीछे भाग रहे हैं।

शिवपुरी में स्कूली बच्चों का वाहन पुलिया में गिरने से 16 घायल, एक ग्वालियर रेफर

शिवपुरी/बैराड़। बैराड़ थानांतर्गत कृष्णा बेयर हाउस अमरौदा के पास बैराड़ में संचालित प्राइवेट स्कूल प्रथा विद्यापीठ स्कूल बैराड़ के छात्र-छात्राओं से भरा एक वाहन क्रमांक स्ऋ07 एचए 6887 अनियंत्रित होकर पुलिया में गिर गया। हादसे के वाहन ओवरलोड था। वाहन में 16 मासूम छात्र-छात्राओं सहित स्कूल संचालक दीवान सिंह जाटव व एक शिक्षिका सवार थी। दुर्घटना में वाहन में सवार सभी बच्चों सहित स्कूल संचालक व शिक्षिका सभी घायल हो गए।

इन्हें उपचार के लिए बैराड़ स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां बच्चों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के उपरांत जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

गंभीर रूप से घायल एक बच्चे को ग्वालियर रैफर किया गया है। एक स्कूली बच्चे ने मीडिया को पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आज दीवान सर की बाइक खराब हो गई थी। ऐसे में उन्होंने ड्राइवर को गाड़ी से उतार दिया और खुद गाड़ी चलाकर ग्राम मालवर्वे से बच्चों को लेकर स्कूल जाते हुए गाड़ी चलाना सीख रहे थे। इसी दौरान पचीपुरा के पास एक पुलिया में गाड़ी गिर गई। खास बात यह है कि जिस वाहन में बच्चों को स्कूल लाया व ले जाया जा रहा था, वह वाहन करीब 21 साल पुराना है और स्कूल परमिट पास नहीं है। बताया तो यहां तक जा रहा है कि वाहन के फिटनेस व बीमा तक नहीं है। घायल बच्चों में ये हैं शामिल लक्ष्मी पुत्र दाताराम जाटव, निवासी बेबलपुर, कार्तिक पिता मनीष जाटव, निवासी ऐनपुरा, कृष्णा पिता गजानंद जाटव निवासी मालबर्वे, पिंकी पुत्री रामस्वरूप ओझा, निवासी मालबर्वे, विनायक पिता वीरू निवासी ऐनपुरा आदि।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में कैंसर व अन्य घावों को जल्द भरने की ओजोन थैरेपी के बेहतर परिणाम मिलने लगे हैं

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इंदौर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं गतिविधियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा प्रारंभ की गई ओजोन थैरेपी की जानकारी दी गई। बताया गया कि ओजोन थैरेपी कैंसर व अन्य कारणों से हुए घावों को जल्द भरने वाली ओजोन थैरेपी के बेहतर परिणाम मिल रहे है। इस थैरेपी के द्वारा शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाकर बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही इससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। बैठक में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इंदौर के प्रधानाचार्य/ मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अजीतपाल सिंह चौहान, एसडीएम राऊ श्री गोपाल वर्मा, अधीक्षक डॉ. जगदीश पंचौली, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इंदौर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट देखी एवं समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इंदौर में ओपीडी में आने वाले प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वाहनों के लिए अच्छे पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। महाविद्यालय परिसर में जड़ी-बूटियों की एक सुंदर नर्सरी बनायी जाये, जिसमें जड़ी-बूटियों के साथ परम्परागत पौधों की विशाल श्रृंखला हो। महाविद्यालय परिसर में जी+2 का सुन्दर भवन बनाया जाए, जिसके बेसमेंट में विशाल पार्किंग और ऊपर योग हाल हो। योग के कार्यक्रम प्रतिमाह आयोजित किए जाए। साथ ही अन्य योग संस्थाओं को भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया जाए। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास बनाया जाए। महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को धन्वंतरि दिवस पर सम्मान किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन रसशाला सहित हर्बल गार्डन का अवलोकन किया। बैठक में बताया गया कि शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इंदौर में ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। सीसीआरएएस के स्पार्क प्रोजेक्ट में संस्था की दो छात्राओं (हिमानी सोनी और अंशिका तोमर) ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों के निर्देशन में दो शोध प्रोजेक्ट पूर्ण किए है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। महाविद्यालय ने विगत दिनों भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महू सहित दो शिक्षा संस्थानों के साथ एमओयू किए है। रसशाला का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जो कुछ ही दिनों में पूर्ण होने वाला है। साथ ही चिकित्सालय के ऊपर प्री-फेब्रिकटेड स्ट्रक्चर निर्माण कार्य प्रगति पर है। वीआईपी पंचकर्म इकाई प्रारंभ हो चुकी है। अभी तक 50 हजार पंचकर्म हो चुकें है। आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल के अनुसार पंचकर्म टेक्निशियन भी नियुक्त किए गए हैं। महाविद्यालय के कन्या छात्रावास के विस्तारीकरण एवं नवीनीकरण के प्रस्ताव शासन स्तर पर प्रक्रियाधीन है। आईडीए द्वारा केसरबाग रोड़ पर महाविद्यालय के प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाना है, जो कि टैंडर की प्रक्रिया में है।

सिंगापुर टाउन शिप के अंडरपास की बाधा हुई दूर

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया मोरी क्षेत्र में स्थित सिंगापुर टाउन शिप के अंडरपास में वर्षा के कारण जल भराव होने से यातायात अवरूद्ध हो रहा था। इस समस्या को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गंभीरता से लेते हुए निवारण के लिए तुरंत पहल की। उनकी पहल पर प्रशासन और नगर निगम के अमले ने अंडरपास में बड़े पम्प लगवाकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था की। अब अंडरपास में किसी भी तरह का जल भराव नहीं है। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि भविष्य में भी ऐसी व्यवस्था बनाये रखें, जिससे की जल भराव नहीं हो और नागरिकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। लगातार हो रही बारिश से लसुड़िया मोरी स्थित सिंगापुर टाउनशिप के अंडरपास में जल भराव की समस्या को देखते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर श्री आशीष सिंह तथा नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा से जल भराव की बार-बार होने वाली समस्या के स्थाई निराकरण हेतु चर्चा की। कहा कि जल निकासी के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराये जाये तथा भविष्य में किसी प्रकार की जल भराव समस्या न हो इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जाए।

हाथों के बल चलने वाले दिव्यांग ने मोबाइल से मनरेगा के कार्यों में दक्षता हासिल कर ग्राम विकास में निभाई भूमिका

इंदौर। हाथों के बल चलने वाले शख्स के जीवन में कितनी चुनौतियाँ होगी ? इसका अनुमान लगाना भी हमारे लिए मुश्किल है, लेकिन जन्म से दिव्यांग रामचंद्र पाटीदार के लिए ये कोई बड़ी बात नही है। वो एक सामान्य व्यक्ति की भांति न सिर्फ अपने काम कर रहा है, बल्कि ग्राम विकास में अपनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ये शख्स इंदौर संभाग में खरगोन के घोटया ग्राम पंचायत के मेट रामचंद्र पाटीदार है। उन्होंने महज 8 वीं तक पढ़ाई की है लेकिन जब मनोरंजन का साधन मोबाइल हाथों में आया तो इसको उन्होंने अपने लिए रोजगार का माध्यम माना और इसी के सहारे अपने साथ ही परिवार के लिए आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया। अब वे ग्राम पंचायत घोटया में मेट का कार्य पंचायत से जुड़ कर कार्य करते हुए किसी भी तरह की तकनीकी समस्या होने पर आसपास की पंचायतों के लिए भी मार्गदर्शक बन गया है। मनरेगा के कार्यो से उसे 9 से 10 हजार रुपये का मानदेय मिल जाता है।

पंचायत में रोजगार सहायक की कमी को पूरा किया- 45 वर्षीय रामचंद्र बताते है कि जब वे 20 साल के थे। तब उन्होंने मोबाइल शॉप पर काम करने की ठानी। यही से कई तरह से मोबाइल के उपयोग आदि के बारे में जाना। इस समय उन्हें तीन हजार रुपये मिल पाते थे। इसके बाद वे मेट के रूप में घोटया पंचायत से जुड़े और तकनीकी ज्ञान के सहारे वे रोजगार सहायक की भूमिका के समान कार्य करने लगे। मेट के रूप में मानदेय अनुसार उन्हें 9 से 10 हजार रुपये मिल पाते है। रामचंद्र गांव के कई परेशान नागरिको की इकेवायसी करने में अपनी बड़ी भूमिका निभाते है। अब जब वे पंचायत से जुड़ गए है तो अनेकों काम ऐसे होते है, जो उनके बगैर सम्भव नही है।

सैनिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिए पटेल मोटर्स की अभिनव पहल

इंदौर। पटेल मोटर्स (इंदौर) प्राइवेट लिमिटेड इंदौर के संस्थापक श्री वल्लभ भाई पटेल द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2024-25 में एक लाख 51 हजार रुपये की सहयोग राशि का योगदान किया। ज्ञात रहे कि यह दान राशि पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, सैनिकों की विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास में राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा उपयोग में ली जाती है। उल्लेखनीय है कि पटेल मोटर्स के संस्थापक श्री वल्लभ भाई पटेल ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2024-25 में दूसरी बार दान राशि भेंट की हैं। इससे पहले 09 दिसंबर 2024 को भी श्री वल्लभ भाई पटेल ने सशस्त्र सेना झण्डा में एक लाख 51 हजार की सहयोग राशि का योगदान दिया था। इस सराहनीय योगदान के लिए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से. नि.) ने पूर्व सैनिकों, वीरनारिओं एवं उनके आश्रित परिवारों की ओर से श्री वल्लभ भाई पटेल का आभार एवं कृतज्ञता प्रकट की है।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने दिल्ली में ग्रुप कैप्टन श्री शुभांशु शुक्ला का किया अभिनंदन

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय वायुसेना के गौरव, ग्रुप कैप्टन एवं अंतरिक्ष यात्री श्री शुभांशु शुक्ला से भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की तथा कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद भी किया। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया पर लिखा श्री शुभांशु ने एक्सिओम-4 मिशन के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा कर जो ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है, वह संपूर्ण देश की सामूहिक आकांक्षाओं का विस्तार है। जब उनसे भेंट हुई तो हृदय गर्व और गौरव से भर उठा। इस अवसर पर मिशन की सफलता पर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उनसे कई विषयों पर संवाद हुआ। उनकी बातचीत में अंतरिक्ष विज्ञान सी ऊंचाई और संवेदनाओं की गहराई समाहित थी। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि श्री शुभांशु जी ने अपने साहसिक अभियान से मां भारती के गौरव को जिस तरह ब्रह्मांड तक पहुंचाया है, वह इतिहास की स्वर्णिम पंक्तियों में अंकित रहेगा। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारा देश नवीन शिखरों को स्पर्श कर रहा है, तब श्री शुभांशु जी का यह पराक्रम उस उज्ज्वल आकाशदीप के समान है, जो नई पीढ़ी के हृदय में साहस तथा विश्वास की ज्योति प्रज्ज्वलित करता है। उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दी।

संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का पहला आयोजन 23 अगस्त को इंदौर के होलकर विज्ञान महाविद्यालय में

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग में इसी सप्ताह से प्रारम्भ होने जा रहे संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर की शुरूआत इंदौर जिले से होने जा रही है। प्रथम स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 23 अगस्त को होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर में किया जायेगा। शिविर का समय शनिवार को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि गत वर्ष आयोजित संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए। इस बार भी सभी स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो, इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से पहले ग्रामीण अंचलों में जाकर बीमार व्यक्तियों को चिन्हित कर लिया जाएगा और उसकी सूची बनाकर मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध करा दी जाए। संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में आधुनिक मशीनों के माध्यम से उच्च रक्तचाप, कैंसर, डायबिटीज, दंत रोग, नेत्र रोग आदि की जांचें जाएंगी। संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में जाँच के बाद चिन्हित मरीजों के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की जायेगी। स्वास्थ्य शिविर में इस बार सोनोग्राफी मशीनों की संख्या बढ़ाई गई। स्वास्थ्य शिविर में संभाग के सभी शासकीय अस्पतालों के चिकित्सक विशेषज्ञ सहित निजी अस्पतालों के चिकित्सक भी अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा होम्योपैथी और आयुष महाविद्यालयों के चिकित्सकों की सेवाएं ली जायेगी। संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का अगला आयोजन 24 अगस्त को खरगोन जिले के भगवानपुरा में, 30 अगस्त को खण्डवा जिले के खालवा में और 31 अगस्त को धार जिले के तिरला में होगा। इसी प्रकार सितम्बर माह में 6 सितम्बर को बड़वानी जिले के निवाली में, 7 सितम्बर को धार जिले के टांडा में, 13 सितम्बर को झाबुआ जिले के थांदला में, 14 सितम्बर को खण्डवा जिले के छैगांवमाखन में, 20 सितम्बर को खरगोन जिले के भीकनगांव में, 21 सितम्बर को धार जिले के उमरबन में, 27 सितम्बर को धार जिले के मोहनखेड़ा में और 28 सितम्बर को इंदौर जिले के क्षिप्रा में स्वास्थ्य शिविर के आयोजन होंगे।

अहिल्याश्रम क्रमांक-2 की सैकड़ों छात्राओं ने मिट्टी के मंगलमूर्ति का किया निर्माण

इंदौर। जल, पर्यावरण एवं प्रकृति के संरक्षण के लिये मिट्टी के गणेश निर्माण की कार्यशाला का आयोजन शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में किया गया।

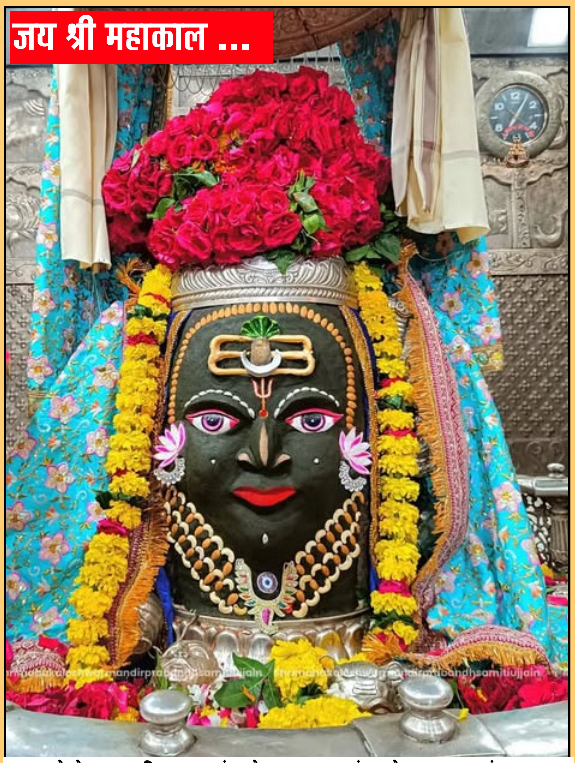

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मां क्षिप्रा नदी पर निर्मित घाटों पर एक दिन में 05 करोड़ श्रद्धालू कर सकेंगें स्नान

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल और जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया

उज्जैन । सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों एवं परियोजनाओं का निरीक्षण शुक्रवार को जलसंधाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट व प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, नगर निगम सभापती कलावती यादव,विधायक सतीश मालवीय, संजय अग्रवाल, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सिंहस्थ 2028 मध्य प्रदेश के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। इससे प्रदेश को एक नई अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी, उज्जैन विश्व पटल पर विकास के नए मापदंड के साथ पहचान बनाएगा। कान्ह डक्ट जैसी अद्भुत परियोजना उज्जैन में एक नई मिसाल कायम करेगी। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नदी स्वच्छता अभियान के नए मापदंड हम स्थापित करने जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने अधिकारियों, मजदूरों और कर्मचारियों को कहा, की आपकी यह मेहनत उज्जैन को एक नई पहचान देगी और विकास की नई इबारत लिखेगी। 30 मीटर नीचे बन रही टनल को देखने के लिए प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सतीश मालवीय और अन्य अतिथिगण भी टनल में उतरे और टनल के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, टनल से बाहर निकलने के बाद मंत्री गणों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए और कहा की यह ऐसी अद्भुत परियोजना है जिससे मां क्षिप्रा निर्मल और स्वच्छ होकर बहेगी।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए जल संसाधन विभाग की 2400 करोड़ रूपए की परियोजनाऐं निर्माणाधीन है। ये सभी कार्य जून 2027 तक पूर्ण कर लियें जायेंगे। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। टनल में किसी प्रकार का लिकेज न हों ओर एपॉक्सी केमिकल को जाँच उपरान्त उपयोग किया जाए। पाईप जोड़ने के लिए भी गुणवत्ता का ध्यान रखें। उल्लेखनीय है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं के अनुरूप मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विभिन्न धार्मिक पर्वो पर, अनुष्ठान के दौरान पर्याप्त स्वच्छ जल उपलब्ध कराये जाने के लिए विभाग द्वारा कान्ह नदी पर कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना संचालित की जा रही है। जिसकी लागत राशि लगभग 919.94 करोड़ रुपए है। परियोजना के अंतर्गत कान्ह नदी के दूषित जल को 18.5 किलोमीटर कट/कवर एवं 12 किलोमीटर टनल निर्माण कर उज्जैन शहर की सीमा के बाहर प्रवाहित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश की सीनियर टीम के लिये उज्जैन के कुशाग्र नागर का चयन

उज्जैन। एमपीसीए की सीनियर पुरुष चयन समिति ने आगामी केएससीए डॉ. के थिमप्पैया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मध्य प्रदेश टीम का चयन किया है, जो 4 से 29 सितंबर 2025 तक बैंगलोर एवं मैसूर में आयोजित होने जा रहा है। मध्यप्रदेश की सीनियर टीम के लिये उज्जैन के कुशाग्र नागर का चयन किया गया है।

उज्जैन संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र काबरा ने बताया कि मध्यप्रदेश की सीनियर साइड टूर टीम में उज्जैन के कुशाग्र नागर को भी चुना गया है ये उज्जैन संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है। कुशाग्र के कोच डॉ. राकेश चावरे ने बताया कि महज़ 15 साल 5 महीने की उम्र में कुशाग्र नागर का मधप्रदेश की सीनियर टिम साइड टूर के लिये चयनित होना बहुत अच्छी बात है क्यूँकी इस से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, टीम के कोच चंद्रकांत पंडित है जो लगातार युवा खिलाड़ियों को मौक़ा देते रहे है। अब कुशाग्र नागर के प्रदर्शन पर उनकी नज़र रहेगी। कोच पंडित की कोचिंग में एमपीसीए ने रणजी ट्रॉफ़ी एवं कई टूर्नामेंट जीते है। इस टीम में कई सीनियर आईपीएल खिलाड़ी भी है कप्तान हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, कुमार कार्तिके, कुलदीप सेन, सौम्य पण्डे निश्चित रूप से इनके साथ खेल कर जो अनुभव प्राप्त होगा उससे कुशाग्र के खेल एवं बौद्धिक क्षमता में और सुधार होगा।

कुशाग्र नागर इतनी कम उम्र में मध्यप्रदेश की सीनियर टीम के लिये चुने जाने वाले उज्जैन संभाग के पहले खिलाड़ी है। दाँए हाथ के विकेट कीपर एवं आक्रामक बल्लेबाज़ कुशाग्र ने पिछले कुछ सालो एमपीसीए द्वारा आयोजित अण्डर-13 ए.डब्ल्यू कन्माडिकार ट्रॉफ़ी एवं अण्डर- 15 एम.एम जगदाले ट्रॉफ़ी में उज्जैन संभाग की और खेलते हुए कई बड़ी पारिया खेली थी। इसके अलावा कुशाग्र ने अण्डर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफ़ी में 1 शतक और 2 अर्ध शतक लगाये थे।

श्री राजपूत करणी सेना में कुंवर जितेंद्र सिंह पंवार बने तहसील सचिव

उज्जैन। देश के सबसे बड़े संगठन श्री राजपूत करणी सेना (कालवी विचारधारा) में कुंवर जितेंद्र सिंह पंवार ठिकाना प्रतापनगर को तहसील सचिव के पद पर नियुक्त किया गया।

कुंवर जितेंद्रसिंह पंवार ने श्री राजपूत करणी सेना कालवी विचारधारा के प्रमुख अनुराग प्रताप सिंह, प्रदेश प्रभारी होकम जसवंत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू बना गुनाई जागीर, जिला अध्यक्ष अंतर सिंह गहलोत, तहसील अध्यक्ष कु. वीरेन्द्र सिंह एवं संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया कि मुझ पर जो भरोसा किया है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा।

महाकाल क्षेत्र के व्यापारियों के समर्थन में हिंदूवादी संगठन ने किया धरना प्रदर्शन

उज्जैन। हरसिद्धि, महाकाल, चार धाम मंदिर, कहारवाड़ी, क्षेत्र के व्यापारियों के समर्थन में मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास, हिंदू टाइगर फोर्स भारत, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत, अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम उज्जैन निगम अपर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

निगम कमिश्नर के आदेश पर हरसिद्धि, महाकाल, चारधाम मंदिर, कहारवाड़ी, नरसिंह घाट, रामघाट के व्यापारियों का व्यापार बंद कर दिया गया है। इसके विरोध में मस्त बालवीर हनुमान मंदिर हरसिद्धि की पाल पर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास के संस्थापक व अध्यक्ष हिंदू टाइगर फोर्स भारत के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान, मध्य प्रदेश युवा शिवसेना गौ रक्षा न्यास के व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कृष्णा परमार ने बताया कि बिना वजह नगर पालिका निगम ने व्यापार जबरन बंद कर दिया है। जिससे व्यापारियों को कई प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। महाकाल मंदिर के आसपास कोई बड़ा उद्योग व्यापार नहीं है, इसी के चलते सारे व्यापारी कंकू, मेहंदी, भगवान के फोटो, धार्मिक पुस्तक, फूल प्रसाद, भक्ति भंडार की दुकान लगाकर अपना जीवन यापन करते हैं। अपने बच्चों का पेट पालते हैं लेकिन निगम कमिश्नर के एक निर्देश पर 3000 से ज्यादा परिवार को भुखमरी की ओर आगे बढ़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है। धरना स्थल पर हिंदूवादी नेता रूपेश ठाकुर, हिंदू महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संत महासभा के नीलेश आनंद तिवारी ने संबोधित करते हुए निगम प्रशासन को चेतावनी दी कि अति शीघ्र व्यापारियों का व्यापार वापस चालू कराया जाए। इस पर अवसर पर धरना स्थल पर सीएसपी श्री देशमुख, पुलिस थाना महाकाल का बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

महाकाल क्षेत्र के व्यापारियों के समर्थन में हिंदूवादी संगठन ने किया धरना प्रदर्शन

उज्जैन। हरसिद्धि, महाकाल, चार धाम मंदिर, कहारवाड़ी, क्षेत्र के व्यापारियों के समर्थन में मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास, हिंदू टाइगर फोर्स भारत, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत, अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम उज्जैन निगम अपर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

निगम कमिश्नर के आदेश पर हरसिद्धि, महाकाल, चारधाम मंदिर, कहारवाड़ी, नरसिंह घाट, रामघाट के व्यापारियों का व्यापार बंद कर दिया गया है। इसके विरोध में मस्त बालवीर हनुमान मंदिर हरसिद्धि की पाल पर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास के संस्थापक व अध्यक्ष हिंदू टाइगर फोर्स भारत के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान, मध्य प्रदेश युवा शिवसेना गौ रक्षा न्यास के व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कृष्णा परमार ने बताया कि बिना वजह नगर पालिका निगम ने व्यापार जबरन बंद कर दिया है। जिससे व्यापारियों को कई प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। महाकाल मंदिर के आसपास कोई बड़ा उद्योग व्यापार नहीं है, इसी के चलते सारे व्यापारी कंकू, मेहंदी, भगवान के फोटो, धार्मिक पुस्तक, फूल प्रसाद, भक्ति भंडार की दुकान लगाकर अपना जीवन यापन करते हैं। अपने बच्चों का पेट पालते हैं लेकिन निगम कमिश्नर के एक निर्देश पर 3000 से ज्यादा परिवार को भुखमरी की ओर आगे बढ़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है। धरना स्थल पर हिंदूवादी नेता रूपेश ठाकुर, हिंदू महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संत महासभा के नीलेश आनंद तिवारी ने संबोधित करते हुए निगम प्रशासन को चेतावनी दी कि अति शीघ्र व्यापारियों का व्यापार वापस चालू कराया जाए। इस पर अवसर पर धरना स्थल पर सीएसपी श्री देशमुख, पुलिस थाना महाकाल का बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। ज्ञापन लेने के लिए निगम अपर आयुक्त उपस्थित रहे।

मनीष सिंह चौहान ने कहा हम तब तक आंदोलन करते रहेंगे जब तक हमारे व्यापारी बंधुओ को व्यापार करने की अनुमति नहीं मिलेगी। अगले चरण में निगम गेट के मुख्यालय पर ताला लगाकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। शहर के जन प्रतिनिधि, महापौर, विधायक और सांसद के घर पर भी धरना दिया जाएगा। क्योंकि 3000 व्यापारी परिवार बेरोजगार हुआ है।

धरना स्थल पर नरेश सिंह चौहान, विश्वास सिंह चौहान, रणवीर सिंह चौहान, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के प्रदेश अध्यक्ष मुरली निगम, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार झांझोट, मयंक शर्मा, जिला उपध्याख नरेंद्र रेनिवाल, कोषाध्यक्ष कालूराम राठौड़, संरक्षक रवि दलौरिया, सचिव राजू आनंद, एवीएम सदासी, राजू सोनी, प्रेम माली आदि।

शीतलनाथ जैन मंदिर पर जन्मवाचन 24 को, चांदी के स्वप्न की बोली

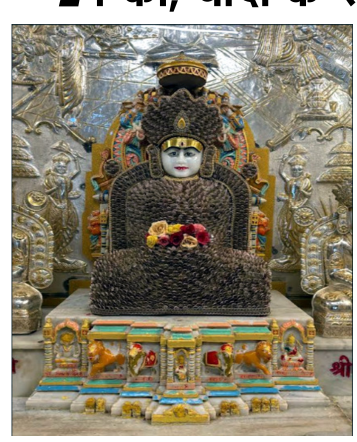

उज्जैन। पुलिस कंट्रोल रूम के सामने स्थित श्री शीतलनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर प्रांगण में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व धुमधाम से मनाया जा रहा है।

पावन पर्व पर प्रतिदिन भगवान की अंगरचना नित नये रुप में गुजराज के अंगरचनाकारो द्वारा मंदिर प्रबंधन के विशेष सहयोग व मार्गदर्शन से की जा रही है। पर्व अंतर्गत 24 अगस्त रविवार सुबह 10:30 बजे मंदिर प्रांगण में प्रभु का जन्मवाचन समारोह नवीन रूप में सुसज्जित 14 सपना जी व पालनाजी आदि की बोलियाँ लगाकर व भगवान के द्वार पर केशरिया छापे लगाए जायेंगे।

श्री शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर सेवा समिति कि रीटा बेन शाह के अनुसार मंदिर पर नियमित रूप से संध्या में भव्य आरती हो रही है। सभी समाजजनो से निवेदन है कि वे सह परिवार उपस्थित होकर अपने पुण्य का उपार्जन करें एवं कार्यक्रमो को सफल बनाकर जिनशासन की शोभा में अभिवृद्धि करें।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com